लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4269

13 दिसंबर, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारतीय वस्त्र निर्यात

4269. श्री एस.सी. उदासीः

श्री मनोज कोटकः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वस्त्र निर्यात के संबंध में निर्धारित और प्राप्त लक्ष्यों का उत्पाद-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विश्व के बड़े वस्त्र निर्यातक देशों का राष्ट्र-वार हिस्सा क्या है और भारतीय वस्त्र निर्यात की हिस्सेदारी को बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) क्या वस्त्र कामगारों को वैश्विक और घरेलू वस्त्र उद्योग में गिरते निर्यात, बढ़ते आयात और मंदी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उन्हें संरक्षित करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) वर्ष 2018-19 के दौरान कपास, मानव निर्मित, ऊनी तथा रेशमी वस्त्रों हेतु 20,100 मिलियन यू.एस. डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसकी तुलना में निर्यात का मूल्य 18,254 मिलियन यू.एस. डॉलर था।

(ख) विश्व के प्रमुख वस्त्र निर्यातक देशों की हिस्सेदारी का विवरण:

देश	2018 (बिलियन यू.एस. डॉलर)	% में हिस्सेदारी
चीन	121	34%
यूएसए	22	6%
भारत	21	6%
जर्मनी	16	4%
इटली	13	4%
तुर्की	13	4%
कोरिया गणतंत्र	12	3%
ताइवान	10	3%
पाकिस्तान	08	2%
वियतनाम	08	2%

स्रोत : ट्रेडमैप

(ग) वाणिज्यिक आसूचना तथा सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार वस्त्र का निर्यात वर्ष 2017-18 में 19 बिलियन यू.एस. डॉलर से 7% बढ़कर वर्ष 2018-19 में 20.4 बिलियन यू.एस. डॉलर हो गया है, जबकि वस्त्र का आयात वर्ष 2018-19 में वस्त्र का निर्यात 5.6

बिलियन यू.एस. डॉलर पर स्थिर बना रहा है। वस्त्रों के आयात को कम करने के लिए सरकार ने दिनांक 16 जुलाई, 2018 से 383 अपैरल एचएस लाइनों (8 अंक) पर मूल सीमा शुल्क को 10% से दोगुना करके 20% कर दिया है। इसके अलावा, सरकार ने अन्य वस्त्र उत्पादों जैसे 298 एमएमएफ फैब्रिक, 5 सिल्क फैब्रिक, 22 अन्य फैब्रिक, 75 कालीन, 9 मेड-अप्स तथा 15 अन्य एचएस लाइनों (8 अंक) पर बीसीडी को बढ़ा (10% से 20%) दिया है।

*****